

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के समागम में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पीड़ी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दबाई का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी वीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने वात, पित, कफ और नाड़ियों के बारे में



विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भद्रीरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई

गई। उन्होंने 500 इसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमरकार के प्रचलन को विस्तार से बताते हुए ध्यान से इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया।

इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक विचारों से बचने की उपाय उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संवाद

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर सेमिनार सम्पन्न

कानपुर (स्वतंत्र संवादाता)। भीमसंग ने अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में थोग, रोग विवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और नियन्त्रण प्रियं पर एक सेमिनार का आयोजन कुलाहति डॉ ज्ञानेंद्र बुमार सिंह के निरीशन पर्व अधिकृता डॉक्टर पूर्ण के शम्भु के कृपात नेतृत्व में संबोधित किया गया। विद्यार्थी मुख्य अधिकृत एवं वक्ता के रूप में पीढ़ी रही, विद्या प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पर्वाती योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा चतुर्पाँच गया कि यह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी चतुर्पाँच वर्ष में किया है जो को मियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी जीवन जीति किसी भी भी मदद नहीं कर सकता।

उन्होंने चातुर्पाँच के बारे में विस्तार से चतुर्पाँच लागतों को दैनिक दिनभरों का भी तरीका चतुर्पाँच। इसी उम्र में डॉक्टर प्रभारी बुमार योग के विभिन्न कालीं को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएं गई। उन्होंने 500 हजार पूर्व से योग के प्रबलन सौर उनके कालीं के विभिन्न वर्षों पर प्रकाश लाता। उन्होंने वैदिक काल में सूर्य नगरावतर के प्रबलन को चतुर्पाँच हुए योग को अनुसन्धान करता। इसी उम्र में ग्राटफूलनेस संघर्ष के जित्या प्रभारी डॉक्टर पर्वत गुप्ता ने व्यायाम के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से चतुर्पाँच हुए रुद्धान से जीवान्त्यक विचारों से बदलने की उपाय बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे यह मनितक और जीर्ण जीवों विभिन्न व्यायामों से ग्रात बर देते हैं इसलिये व्यायाम



एक योग्य माध्यम है कि जिससे लाप रोगों का नियन्त्रण कर सकते हैं। इस संघर्ष के डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने भी

लापने विचार व्यक्त किये। कायोक्याम का संचालन डॉक्टर ज्ञानेंद्र ने किया।



दैनिक उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

वर्ष: 15

अंक: 148

कानपुर, गुरुवार 19 जून 2025

RNI UPHIN/2010/47220



उद्योग नगरी टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कानपुर

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार



अनवर अशरफ

कानपुर यू.एन.टी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में

श्री पी.डी. राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दवाई का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने बात, पित, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में

डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 500 इसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया। इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक

विचारों से बचने की उपाय बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया।

अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता ने योगासन और शारीरिक व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम केवल शारीरिक सौष्ठुव को बढ़ाता है। उन्होंने आए हुए सभी

गणमान्य वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यहां पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमर उजाला 19/06/2025

सेमिनार में दी पित्त व नाड़ियों की जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी पीडी राही मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वह 85 वर्ष के हैं। अब तक उन्होंने किसी भी दर्वाई का सेवन नहीं किया है। उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया। हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं। ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। (ब्यूरो)

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

7

पांच साल बाद टीवी पर लौटी 'हम पांच' फेम अ

कानपुर का नागर छाया समाचार का अनुलेखन करता है। नागर छाया का समाचार एवं कानपुर का समाचार का अनुलेखन करता है।

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विध्य पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आर्नंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिकारी डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्री पीड़ी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दबाव का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी शीर्षक व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने बात, पित, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भद्रीरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत ज्ञानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 500 इस्सा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतूलनीय बताया। इसी क्रम में हाटफूलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में



वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक विचारों से बचने को उपाय बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम के बहुत शारीरिक सौष्ठुद्धि को बढ़ाता है। उन्होंने इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि

जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कांक्रियक्रम का संचालन डॉक्टर श्रेष्ठ दुबे ने किया।

अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिकारी ने योगासन और शारीरिक

व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम के बहुत शारीरिक सौष्ठुद्धि को बढ़ाता है। उन्होंने आए हुए सभी गणमान्य

वकाऽओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यार्ह पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कांक्रियक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज का कानपुर

क्रमांक से प्रत्येक वर्ष एक विद्युत वित्तीय वर्ष का अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

कानपुर मण्डल/आस/पास

भायुक्त ने
ती वार्ता

सम्बन्धी विवाद आये थे।
विकास प्राधिकरण के पास सभी लाज एवं इप्पलूबमेन्ट ट्रूस्ट का अधिकार दे दिया गया।
वरस्था सिर्फ कानपुर में है।
6 नगर निगमों में नहीं,
दश एवं महाराष्ट्र के शहर
दृढ़ते जा रहे हैं पूर्व में
महानगर उत्तर प्रदेश का
बड़ा महानगर था, किन्तु अब काफी पिछड़ गया है।
नगर निगम को अधिकार
के कारण हम पिछड़ते जा-

की चोरी

रप्तार

चैन व एक अदद घटना
प्रयुक्त नीले संग की मारती
बरामद की गई उपरोक्त के

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार का आयोजन



आज का कानपुर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं बक्ता के रूप में पीड़ी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए मुख्य बक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दबाव एवं सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता उन्होंने बात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भद्रीरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई उन्होंने 500 इंसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर

प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया इसी ऋग में हार्टफुलेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक विचारों से बचने की उपाय बताएँ। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठित ने योगासन और शारीरिक व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है जबकि शारीरिक व्यायाम केवल शारीरिक सौष्ठुव को बढ़ाता है उन्होंने आए हुए सभी गणमान्य वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यहां पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ધાર્મિક



आज का कानपुर। ग्रेनाइट के शरखत वित्त पूरणमल कुवासियों को सहयोग और उन्होंने कहा क्षेत्रीय जनत आशीर्वाद दिया औतार(र) सैकड़े की

बुलंदशहर। एक कार पूर्ण हादसे में काम एक किशोरी कार सवार हड्डी, तेजवीर बदायूँ जिले दौरान थाना पास कार उलग गई और अहमद (२५) और जुबेर की सूचना पर पहचानी।